the Chartered Accountants Regulations, 1964, under section 30B of the Chartered Accountants Act, 1949.

[Placed in Library. *See* No. LT-4626/87].

Report and Accounts (1985-86) of the Bengal Chemicals and Pharmaceuticals Limited Calcutta and related papers

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF CHEMICALS AND PETRO-CHEMICALS IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI R. K. JAICHANDRA SINGH): Madam, I beg to lay on the Table, under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956, a copy each (in English and Hindi) of the following papers:—

(i) Fifth Annual Report and Accounts of the Bengal Chemicals and Pharmaceuticals Limited, Calcutta, for the year 1985-86, together with the Auditors' Report on the Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor General of India thereon.

(ii) Review by Government on the working of the Company.

[Placed in Library. *See* No. LT-4628/87 for (i) and (ii)].

Re. Treatment meted out to the Members of Parliament at the Delhi Airport

डा० बापू कालदाते (महाराष्ट्र) : महोदया, एक 'दुखद' घटना के बारे में मैं आपकी अनुमति से सदन का दो मिनट का समय लेना चाहता हूं । महोदया हमारे जो श्रद्धेय जन हैं, उनमें सरहदी गांधी जी भी हैं । उस समय जबकि हम छोटे लड़के थे सेवादल के तब पूना में वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई, 1945–46 में । तब हम उसके स्वयंसेवक थे । उस समय श्री सरहदी गांधी और जवाहर लाल नेहरु सेवादल की रेली में आए और उन्होंने हम नौजवानों को यह आदेश दिया कि इस काम को बाहर फैलाने के लिए आप महाराष्ट्र से बाहर जाइए । मैं उनमें से एक व्यक्ति हूं जिन्हें सिंध में काम करने का सौभाग्य मिला और विभाजन के बाद मुझे वापस आना पड़ा । ऐसे श्रद्धा जन जिनके बारे में हमारे दिल में एक असीम श्रद्धा तो है ही वे हमारी प्रेरणा के स्रोत भी हैं । उपसभापति महोदया, हमारे जो एअरपोर्ट्स हैं जहां से हमारे वी०आई०पी० आते जाते हैं, मैं तो वहां आज तक गया नहीं लेकिन व्यक्तिगत श्रद्धा के कारण कल गया था । जिस तरह का बर्ताव आपके सुरक्षा अधिकारी हम मेम्बर आफ पार्लियामेंट के साथ करते हैं उससे मुझे शर्म आती है । क्या इस देश में पार्लियामेंट का मेंबर कोई गुनाहगार बन गया है ? वहां सिर्फ दो-तीन सौ लोग थे जिनमें आपके मंत्रीजी थे, प्रधान मंत्री जी थे और हम जैसे लोग थे जिनके दिल में केवल श्रद्धा के कण थे । मैं इस बात को जानता था कि हमारे लिए उनकी अंतिम विदाई है । मैं अस्पताल में नहीं जा पाया, इसलिए हमने सोचा कि एक बार उन्हें देख लें । लेकिन इतना बर्बरतापूर्ण, इतना अपमानजनक इतना ह्यूमिलेटिंग बिहेवियर वहां के सुरक्षा अधिकारी ने किया कि मेरा तो पक्का फैसला है कि सरकार के किसी कार्यक्रम में हम उपस्थित नहीं रहेंगे । मैं वहां गया मैंने कहा मैं पार्लियामेंट मेंबर हूं । ऐसे देख रहे थे जैसे किसी गुनहगार को देखते हैं। He looked at me from top to bottom. It was so humiliating. Is it the way? Is it the kind of behaviour we should have from the security personnel? हमको नहीं जाने दिया । हमारा आई कार्ड लेकर वह दूसरे के पास गया । उसने हमसे पूछा कि हमारा नाम क्या है । हमने कहा कि इस पर लिखा हुआ है । अंदर लांज में और एडिशनल कार्ड दे दिया, हमने मांगा नहीं था । जो मिनिस्टर लोग थे वे चले गए । हम पांच पार्लियामेंट के मेंबर थे, इस हाउस के भी थे लेकिन हमको नहीं जाने दिया । हमारी स्थिति ऐसी थी जैसे भिखारी सुरक्षा अधिकारियों के सामने जाए, उनसे भीख